offered nutritional support to TB patients is through a payment of Rs.500 per month for each patient throughout the treatment duration that typically lasts six months in drug-sensitive TB without complications. This assistance is insufficient to cover the costs incurred by the BPL families. The Government may seriously consider increasing this amount to the poorest families of TB patients. I demand the Government to look into it.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Jawhar Sircar: Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala), Dr. John Brittas (Kerala), Shri Ajit Kumar Bhuyan (Assam) and Dr. V. Sivadasan (Kerala).

Demand to maintain the safety and security of the National Highways of Manipur

SHRI MAHARAJA SANAJAOBA LEISHEMBA (Manipur): Sir, Manipur has only two National Highways. One is NH-2 (Imphal-Dimapur Road) which connects Manipur to Nagaland and Assam serving as a vital link to the rest of India. Another is NH-37(Imphal-Jiribam Road) which connects Manipur to Assam and the rest of India facilitating trade and commerce. In fact, these two National Highways are the lifelines of Manipur. But frequent disturbances, bandhs and blockades, etc., cause many hardships to the people of Manipur.

People are facing economic hardships by affecting trade and commerce, supply of essential goods, price hikes and scarcity of goods. Passengers face delays, cancellation and increased travel time affecting daily life, education and healthcare. Shortages of essential items like food, medicines and fuel exacerbating humanitarian crisis. Frequent disturbances deter tourists and investors which is hindering economic growth and development of the State.

I urge upon the Union Government to maintain the two National Highways of Manipur safe and secure without any kind of disturbance or blockade, so that people can move freely all the year round.

Demand for setting up of potato processing units in Uttar Pradesh

श्री बृज लाल (उत्तर प्रदेश): महोदय, उत्तर प्रदेश देश में सबसे बड़ा आलू उत्पादक राज्य है। देश के कुल आलू उत्पादन का 32 प्रतिशत उत्तर प्रदेश में होता है। 2022 में 20 मिलियन टन आलू का

उत्पादन हुआ था। उत्तर प्रदेश के आलू उत्पादक मुख्य जिले हैं- आगरा, अलीगढ़, हाथरस, मथुरा, फिरोजाबाद, इटावा, मैनपुरी, फरुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, उन्नाव, बरेली, बदायूं, बिजनौर, संभल, लखनऊ और रायबरेली। किसानों को आलू का उचित मूल्य दिलाना एक चुनौती है। कई बार अधिक उत्पादन होने के कारण आलू की कीमतें गिर जाती हैं, जिससे किसानों को बहुत अधिक नुकसान होता है। कभी-कभी तो ऐसा भी होता है कि किसान अपने आलू बाजारों में छोड़कर चले आते हैं। स्थिति यहां तक खराब होती है कि सूंअर पालने वाले बहुत कम दामों में आलू खरीद कर सूअरों को खिलाते हैं ।

उत्तर प्रदेश में आलू प्रसंस्करण की केवल तीन इकाइयां हैं। हापुड़ की इकाई आलू फ्लेक्स, कोसीकलां मथुरा की पेप्सीको चिप्स और फ्रेंच फ्राई तथा बिजनौर की इकाई फ्रेंच फ्राई बनाती है। देश में केवल 7.5 प्रतिशत आलू का प्रसंस्करण हो पाता है और उत्तर प्रदेश में कुल उत्पादन का 1 प्रतिशत भी नहीं होता है।

मैं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री जी से अनुरोध करता हूं कि आलू प्रसंस्करण इकाइयां उत्तर प्रदेश के आगरा, फरुखाबाद, उन्नाव और बरेली जिलों में लगाई जाए, जिससे आलू का अधिक मात्रा में प्रसंस्करण हो सके और इसका लाभ किसानों को मिल सके। ये इकाइयां गुजरात पैटर्न पर लगाई जानी चाहिए, जहां आलू का प्रसंस्करण सबसे अधिक हो रहा है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the Special Mention made by the hon. Member, Shri Brij Lal: Shri Amar Pal Maurya (Uttar Pradesh), Shrimati Ramilaben Becharbhai Bara (Gujarat), Ms. Indu Bala Goswami (Himachal Pradesh), Shri Babubhai Jesangbhai Desai (Gujarat) and Shri Ram Chander Jangra (Haryana).

Demand for construction of elevated road on a section of National Highway passing through Chandauli town, Uttar Pradesh

श्रीमती साधना सिंह (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं ध्यान चंदौली जनपद के चंदौली मुख्यालय के बीचों बीच से गुजरने वाले ...

श्री उपसभापति: माननीय साधना सिंह जी, जो आपको एप्रूव्ड टैक्स्ट है, केवल उसी को पढ़िए।

श्रीमती साधना सिंह: महोदय, राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों तरफ घनी आबादी और व्यावसायिक परिसर के अलावा नगर पंचायत मुख्यालय, पुलिस लाइन, दस राष्ट्रीय बैंक, नगर पंचायत कार्यालय, बाजार, न्यायाधीश आवास, सरकारी जिला अस्पताल व मंडी विकास समिति का कार्यालय और चंदौली स्टेशन होने के कारण यहाँ जाम की समस्या आये दिन बनी रहती है।